कविता से

प्रश्न 1. 'किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई'

(क) इस पंक्ति में किस घटना की ओर संकेत है?

(ख) काली घटा घिरने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर–*(क)* इस पंक्ति में झाँसी के राजा की मृत्यु की ओर संकेत है।

(ख) झाँसी के राजा नि:संतान थे। राजा के नि:संतान मर जाने पर झाँसी के राज्य को अंग्रेज़ अपने अधिकार में ले लेंगे। इससे झाँसी पर विपत्ति आ जाएगी। इस तथ्य को ध्यान में रखकर काली घटा घिरने की बात कही गई है।

प्रश्न 2. **कविता की दूसरी पंक्ति में भारत को 'बूढ़ा' कहकर और उसमें 'नयी जवानी' आने की बात कहकर सुभद्रा कुमारी चौहान क्या बताना चाहती हैं?**

उत्तर– भारत को बूढ़ा कहकर सुभद्रा कुमारी चौहान यह बतलाना चाहती हैं कि भारत परतंत्र होने के कारण बहुत ही कमज़ोर और शक्तिहीन हो गया था। भारतीय वीरों का साहस कम हो गया वे अपने आप को असहाय समझने लगे। लेकिन लक्ष्मीबाई ने अपनी वीरता व जोश से भारतीयों की सोच बदल दी। अब उनमें आशा और उत्साह का नया संचार हो गया। संघर्ष करने की शक्ति आ गई और वे स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु प्रयत्न करने लगे।

प्रश्न 3. **झाँसी की रानी के जीवन की कहानी अपने शब्दों में लिखो और यह भी बताओ कि उनका बचपन तुम्हारे बचपन से कैसे अलग था?**

उत्तर– झाँसी की रानी का नाम लक्ष्मीबाई था। वह अपने पिता की अकेली संतान थी। वह कानपुर के नाना की मुँहबोली बहन थी। वह नाना के साथ पढ़ती थी और नाना के साथ खेला करती थी। उसका बचपन हमारे बचपन

से बिलकुल भिन्न था। हम प्रायः बचपन में खिलौनों से खेलते हैं, पर वह बचपन में ही बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी का प्रयोग करने लगी थी। उसे शिवाजी की गाथाएँ जबानी याद थीं। वह बचपन में नकली युद्ध के खेल खेला करती थी। व्यूह रचना और खूब शिकार खेलना, सेना को घेरना तथा दुर्ग तोड़ना उसके प्रिय खेल थे। इस प्रकार उनका बचपन हमारे बचपन से बहुत भिन्न था।

प्रश्न 4. **वीर महिला की इस कहानी में कौन-कौन से पुरुषों के नाम आए हैं? इतिहास की कुछ अन्य वीर स्त्रियों की कहानियाँ खोजो।**

उत्तर– 'झाँसी की रानी' कविता में अनेक पुरुषों के नाम आए हैं। उनमें से कुछ के नाम हैं–वीर शिवाजी, अर्जुन, शिव, डलहौज़ी, नाना धुंधूपंत, पेशवा, ताँतिया, अज़ीमुल्ला, अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवरसिंह, सैनिक अभिराम, लेफ़्टिनेन्ट वॉकर, सिंधिया, ह्यूरोज़, जनरल स्मिथ।

सुल्ताना रज़िया, दुर्गावती, कर्मवती आदि वीर नारियों की कहानियों की पुस्तकें विद्यालय-पुस्तकालय से लेकर पढ़ें।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. सभी भारतीयों ने फिरंगी को दूर करने का निश्चय क्यों किया था?

उत्तर–भारत कई सौ वर्षों से परतंत्र था। इस कारण भारत के लोग स्वतंत्रता का महत्त्व भूल गए थे। अब उन्हें स्वतंत्रता के महत्त्व का पता चल गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि फिरंगी धीरे-धीरे अपनी सत्ता का विस्तार कर रहे हैं। इस कारण भारतवासियों ने फिरंगी को दूर करने का निश्चय कर लिया।

प्रश्न 2. ऐसी कौन-सी विशेषताएँ थीं जिनके कारण मराठे लक्ष्मीबाई को देख पुलकित होते थे?

उत्तर–लक्ष्मीबाई बहुत वीर और साहसी नारी थी। वह वीरता की साक्षात् मूर्ति थी। नकली युद्ध व्यूह की रचना करना, खूब शिकार खेलना, सेना घेरना और दुर्ग तोड़ना उसके प्रिय खेल थे। लक्ष्मीबाई की इन विशेषताओं को देख मराठे बहुत पुलकित होते थे।

प्रश्न 3. *'हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में'* किस घटना की ओर संकेत है? कवयित्री ने उसे *'वीरता की वैभव के साथ सगाई'* क्यों कहा है?

उत्तर–ऊपर लिखी पंक्ति में झाँसी के राजा के साथ लक्ष्मीबाई की सगाई की ओर संकेत है। लक्ष्मीबाई वीर, साहसी और शूरता की साक्षात् मूर्ति थीं और झाँसी नरेश धन-दौलत तथा ऐश्वर्य के स्वामी।

अतएव कवयित्री ने लक्ष्मीबाई और झाँसी नरेश की सगाई को वीरता की वैभव के साथ सगाई कहा है।

प्रश्न 4. झाँसी नरेश के नि:संतान निधन का क्या परिणाम हुआ?

उत्तर–अंग्रेज सरकार ने यह कानून बना रखा था कि यदि किसी राजा का निधन हो जाता है और उसकी कोई संतान नहीं है तो उसके राज्य को लावारिस माना जाएगा। ऐसी हालत में उस राज्य पर अंग्रेज़ी सरकार अधिकार कर लेगी। इस कानून के अधीन झाँसी के राज्य पर अंग्रेज़ी सरकार ने अधिकार कर लिया था।

प्रश्न 5. अंग्रेज़ों के कुचक्र के विरुद्ध रानी ने अपनी वीरता का परिचय किस प्रकार दिया?

उत्तर–अंग्रेज़ों के कुचक्र के विरुद्ध रानी ने अंग्रेज़ी सेना का डटकर मुकाबला किया। उसने लेफ़्टिनेन्ट वॉकर को भी युद्ध में पराजित कर दिया। वह रानी के सामने नहीं टिक पाया और ज़ख्मी होकर युद्ध के मैदान से भाग निकला। रानी अंग्रेज़ी सेना को पराजित कर कालपी पहुँच गई। उसका घोड़ा भी थक कर भूमि पर गिर पड़ा और तत्काल स्वर्ग सिधार गया, पर उसने हिम्मत नहीं हारी। उसने अपने भुजबल से ग्वालियर पर भी अधिकार कर लिया और उसके भय से सिंधिया ग्वालियर छोड़कर भाग गया।

इस प्रकार रानी ने अंग्रेज़ों के कुचक्र के विरुद्ध जमकर संघर्ष किया और देश को स्वतंत्र कराने के लिए लड़ती रहीं।

प्रश्न 6. रानी लक्ष्मीबाई ने कौन-सा पथ दिखाया?

उत्तर–रानी लक्ष्मीबाई ने स्वतंत्रता प्राप्त करने का पथ दिखाया। उसने अपना बलिदान कर यह स्पष्ट कर दिया कि स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ती है। स्वतंत्रता ऐसे ही नहीं मिल जाती। उसे पाने के लिए कठोर परिश्रम करना होता है।

प्रश्न 7. झाँसी की रानी के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते हैं?

उत्तर–झाँसी की रानी ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा दी थी। उसमें असीम देश-प्रेम की भावना थी। हमें झाँसी की रानी के जीवन से वीर और साहसी बनने तथा देश के लिए अपने जीवन को न्योछावर करने की प्रेरणा मिलती है। हमें भी झाँसी की रानी के समान साहसी और वीर बनना चाहिए। हमें अपने देश को न केवल स्वतंत्र बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए, बल्कि उसे उन्नत तथा समृद्ध करने में अपना योगदान देना चाहिए।